चतुर्थ चरण, कार्यक्रम- 10

पंचदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

सूचना सम्प्रेषण तकनीकी आधारित शिक्षण एवं आकलन

(ICT based Teaching and Assessment)

18-22 जनवरी 2021 पर्यन्त

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पण्डित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में **'सूचना सम्प्रेषण तकनीकी आधारित शिक्षण एवं आकलन'** विषय पर दसवीं पंचदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 से 22 जनवरी 2021 तक किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को विविध आईसीटी टूल्स एवं सॉफ्टवेयर्स से परिचित कराना, आईसीटी टूल्स के अभिकल्पन एवं निर्माण हेतु अन्तदृष्टि प्रदान करना एवं कुशलताओं को संवद्धित करना और शिक्षण एवं आकलन में आईसीटी प्रयोग एवं समन्वय हेतु कौशल एवं कुशलताओं को अभिवृद्ध करना। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त **डॉ. अतुल कोठारी** (अध्यक्ष, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली) के द्वारा मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा दिया गया तथा **प्रो. के. भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र समपन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 30 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन सत्र, प्रबोधन सत्र, 14 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 05 स्वाभ्यास सत्र, ऑनलाइन आकलन सत्र, प्रतिपुष्टि सत्र, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 249 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 204 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। वैसे 173 प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभाग की पुष्टि प्रदान की लेकिन उनमें से 143 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 30 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सकें। 143 प्रतिभागियों में 17 राज्यों 130 प्रतिभागी तथा 02 केंद्र शासित प्रदेशों से 13 प्रतिभागी रहे। 17 राज्यों के प्रतिभागियों में आंध्र प्रदेश से 05, बिहार से 07, गोवा से 02, गुजरात से 02, हरियाणा से 04, झारखंड से 01, कर्नाटक से 02, केरल से 01, महाराष्ट्र से 22, ओडिशा से 02, पंजाब से 09, राजस्थान से 11, तमिलनाडु से 07, तेलंगाना से 03, उत्तर प्रदेश से 39, उत्तराखंड से 09, पश्चिम बंगाल से 04 तथा 02 केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों में चण्डीगढ़ से 01 और दिल्ली से 12 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के **08 विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में मुख्य विषय रहे यथा - शिक्षण एवं ऑनलाइन सहयोगात्मक कार्य हेतु व्यावहारिक उपागमों पर तकनीकी समर्थित कुशलताओं का निर्माण, प्रभावी अन्वेषणात्मक प्रविधियाँ, अन्तर्क्रियात्मक शिक्षण हेतु आई. सी. टी. उपकरण, विभिन्न आई. सी. टी. उपकरणों के प्रयोग द्वारा आनॅलाइन कक्षा संचालन, गूगल क्लास एवं एडमोडो द्वारा शिक्षण एवं आकलन प्रबन्धन, सरल आई.सी.टी. प्रविधियाँ, गूगल टूल्स, आकलन और शिक्षण एवं आकलन में श्रव्य संसाधनों का प्रयोग आदि को सम्पादित किया गया है। तकनीकी सत्रों के विषयों के आधार पर **10 दत्तकार्य** प्रतिभागियों को दिये गये। ऑनलाइन प्रशासित आकलन परीक्षण में **43% प्रतिभागियों ने 60% से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **82%, 16%, 02% एवं 02%** क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत **80% उत्कृष्ट, 18%, अति उत्तम 02% उत्तम एवं 00% संतोषजनक** रहा। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **प्रो. पूरन चन्द्र जोशी** (कार्यवाहक कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) द्वारा विशिष्ट अतिथि सम्बोधन एवं **डॉ. पंकज मित्तल** (महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली) द्वारा दिया गया। शिक्षा संकाय प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं शान्ति पाठ के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।